खबर संक्षेप

पार्थ जायसवाल संभालेंगे जिले की कमान

शहडोल। जिले में भी महज कुछ घंटों के भीतर प्रशासनिक तस्वीर बदल गई। डॉ. केदार सिंह के तबादले के बाद रतलाम कलेक्टर सुश्री मिशा सिंह को शहडोल का नया कलेक्टर बनाया गया था, लेकिन उनके पदभार ग्रहण करने से पहले ही सामान्य प्रशासन विभाग ने नई तबादला सूची जारी कर दी। नई सूची के अनुसार अब आईएएस पार्थ जायसवाल शहडोल जिले के नए कलेक्टर होंगे। पार्थ जायसवाल पूर्व में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अपने पूर्व कार्यकाल के दौरान उन्होंने ग्रामीण विकास, पंचायत योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई थी, यही वजह है कि उनके दोबारा शहडोल आने की खबर से प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बताया जा रहा है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी नवीन तबादला आदेश में पार्थ जायसवाल को शहडोल कलेक्टर पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ऐसे में अब जिले को एक बार फिर ऐसा अधिकारी मिलने जा रहा है, जो यहां की भौगोलिक परिस्थितियों, प्रशासनिक व्यवस्था और स्थानीय चुनौतियों से पहले से परिचित है। इधर, लगातार बदल रहे तबादला आदेशों ने यह भी साफ कर दिया है कि राज्य सरकार प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बड़े स्तर पर फेरबदल कर रही है।

आज अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

शहडोल। हर साल 29 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य बाघों के संरक्षण, उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा और उनके सामने आने वाले खतरों के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। बाघों के संरक्षण एवं पर्यावरण में बाघ की भूमिका की विस्तृत जानकारी देने के उद्देश्य से वन विभाग की टीम द्वारा विकास खण्ड जयसिंहनगर के शासकीय हाई स्कूल देवरा में 28 जुलाई 2026 को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान डिप्टी रेंजर आशीष वर्मा ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए पर्यावरण में बाघ की भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाघ जंगल की सुरक्षा में कितने उपयोगी हैं। बाघों की सुरक्षा को लेकर रेंजर आशीष वर्मा ने छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए कहा कि वह हमारे हितैषी हैं, अतः उनकी सुरक्षा हमारा दायित्व है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं को बाघों के संरक्षण हेतु शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा वन एवं वन्य प्राणियों के संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित जानकारियां भी दी गयी।

अधिकारियों से सांठ-गांठ कर चूना लगाने का भंडाफोड़

वसीयत का जादुई खेल और सरकारी तिजोरी में सेंध!

3 करोड़ के सौदे पर फर्जी वसीयत का मुलम्मा

शहडोल। सरकारी राजस्व को चूना लगाने और करोड़ों की ज़मीनों पर कब्जा जमाने के लिए भू-माफिया किस कदर नए-नए क्रिएटिव हथकंडे अपना रहे हैं, इसका हैरतअंगेज मामला सोहागपुर तहसील से सामने आया है। मामला इतना साफ और गोलमाल इतना बड़ा है कि अगर निष्पक्ष जांच हो जाए, तो कई सफेदपोश और राजस्व विभाग के नुमाइंदे सीधे नपेंगे। शिकायतकर्ता संजय कुमार चौधरी पिता रामअवतार चौधरी, निवासी बदरिया भवन के पीछे, घरोला मोहल्ला ने कलेक्टर के समक्ष पूरे पन्नों का कच्चा-चि_ा खोलकर रख दिया है। शिकायत का सीधा और कड़ा तंज है कि जब ज़मीनें करोड़ों के चेक, डीडी और आरटीजीएस से खरीदी जा रही हैं, तो रातों-रात विक्रेता को पुण्य आत्मा बताकर बिना किसी रिश्ते के वसीयतनामा किसके शह पर दर्ज हो रहा है?

क्या है 3 करोड़ के सौदे और फर्जी वसीयत का पूरा कांड

दस्तावेजों के मुताबिक, ग्राम सौखी (प.ह.नं. बलपुरवा, तहसील सोहागपुर) के विभिन्न खसरा नंबरों (70/5, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 98, 52/2, 218) तथा ग्राम नरसरहा (प.ह.नं. शहडोल) के खसरा नंबर 5/1/1 (रकबा 13.846 हेक्टेयर का 1/2 भाग) का एक बड़ा सौदा रचा गया। यह सौदा मुंबई (अंधेरी वेस्ट) निवासी मीरा गुप्ता पति स्व. प्रेम कुमार गुप्ता और नई दिल्ली छतरपुर निवासी महेश अग्रवाल पिता सी.बी. अग्रवाल के बीच 3 करोड़ रुपये में 30 जनवरी 2017 को अनुबंधित हुआ। इस अनुबंध के तहत 1दिसंबर 2011 से 30 जनवरी 2017 के बीच विभिन्न चेकों, डिमांड ड्राफ्टों और

आरटीजीएस के जरिए बाकायदा करोड़ों रुपयों का भुगतान भी किया गया। अब आता है असली जादुई ट्विस्ट! सौदे के बाद महेश अग्रवाल ने ग्राम सौखी की खसरा नं. 52/218 की 2.27 एकड़ ज़मीन का बाकायदा 1,51,50,000 रुपये प्रतिफल दर्शाकर रजिस्ट्री (विक्रय पत्र) कराया और 07 मार्च 2018 को स्टांप शुल्क चुकाया, लेकिन बाकी की बेशकीमती ज़मीनों (विशेषकर नरसरहा की 13.846 हेक्टेयर के आधे हिस्से) की रजिस्ट्री कराने में करोड़ों रुपये की भारी-भरकम स्टांप ड्यूटी आड़े आ रही थी। बस फिर क्या था, सरकारी खजाने को डकैती जैसी चोट पहुंचाने के लिए 28 जनवरी 2017 की तारीख में एक फर्जी वसीयतनामा का खेल रचा गया।

तहसील कार्यालय बना फर्जीवाड़े का सेफ हाउस

बिना किसी वैध विक्रय पत्र और बिना वाजिब नामांतरण प्रक्रिया के तहसीलदार

करोड़ों की जमीनों का पहले हुआ अनुबंध और आरटीजीएस से भुगतान

सोहागपुर के राजस्व प्रकरण में 01 अक्टूबर 2018 को आदेश पारित कराकर वसीयत के आधार पर राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज करवा लिया गया। सोहागपुर तहसील के गलियारों में यह चर्चा आम है कि कैसे अधिकारियों से सांठ-गांठ कर करोड़ों की सरकारी स्टांप ड्यूटी का गबन किया गया। कानूनन जिस दिन विक्रय पत्र का निष्पादन होता है, उस दिन की कलेक्टर गाइडलाइन के हिसाब से स्टांप शुल्क देना होता है। 2017 से लेकर 2026 तक जमीनों के दाम आसमान छू रहे हैं। फर्जी वसीयत के दम पर सीधे-सीधे शासन के करोड़ों रुपये की स्टांप ड्यूटी की चोरी की गई है। जब किसी व्यक्ति ने ज़मीन के बदले करोड़ों रुपये बैंक ट्रांसफर से प्राप्त किए हैं, तो वह ज़मीन वसीयत में दान या प्यार में कैसे दी जा सकती है? यह सवाल ही पूरे फर्जीवाड़े की पोल खोलने के लिए काफी है।

निरस्त हो नामांतरण, लगे कानूनी ताला

शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से मांग की है कि नरसरहा एवं सौखी की जमीनों पर फर्जी वसीयतनामा के आधार पर कराए गए नामांतरण को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। आरोपी महेश अग्रवाल को उक्त भूमियों पर कब्जा-दखल न दिया जाए। करोड़ों रुपये की सरकारी स्टांप ड्यूटी चोरी करने और फर्जी दस्तावेज तैयार करने के जुर्म में दोषियों एवं मददगार अधिकारियों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। अब सवाल यह उठता है कि क्या शहडोल जिला प्रशासन और राजस्व विभाग इस खुलेआम हुई करोड़ों की स्टांप चोरी पर बुलडोजर जैसी कार्रवाई करेगा या फिर कागजी जांच के फेर में मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा?

लावारिस मासूम की मौत ने इंसानियत और व्यवस्था दोनों को झकझोरा आज

शहडोल। एक नवजात बालिका, जिसे जन्म के कुछ ही समय बाद कोई शिवालय शिशु गृह, सतगुरु मिशन के पालने में छोड़ गया, वह शायद इस उम्मीद के साथ छोड़ी गई थी कि उसे नया जीवन मिलेगा, लेकिन कुछ ही दिनों बाद उसकी मौत की खबर ने पूरे जिले को झकझोर दिया। अब इस मामले में जिला अस्पताल के उपचार और व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक जांच और पुष्टि होना अभी शेष है, लेकिन यदि जांच में लापरवाही सामने आती है तो यह केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि मानवता पर भी गंभीर प्रश्न होगा।

बताया गया है कि बच्ची को गंभीर हालत में जिला अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि उपचार और एंबुलेंस व्यवस्था में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई गई। यदि यह सही साबित होता है तो यह चिंता का विषय है कि शहडोल संभाग के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में शामिल इस संस्थान में भी एक नवजात को समय पर समुचित चिकित्सा नहीं मिल सकी। ऐसे मामलों में हर मिनट कीमती होता है और थोड़ी-सी देरी भी जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन सकती है।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच भाजपा पार्षद सल्लू रजक द्वारा बच्ची के प्रति दिखाई गई संवेदनशीलता की चर्चा भी हो रही है। सामाजिक स्तर पर उन्होंने जिस मानवीय पहल का परिचय दिया, उसने यह संदेश दिया कि समाज में आज भी ऐसे लोग हैं जो किसी लावारिस बच्चे को केवल एक मामला नहीं, बल्कि एक जीवन के रूप में देखते हैं। वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या सरकारी तंत्र ने भी उतनी ही संवेदनशीलता दिखाई?

समाज में चर्चा है कि क्या किसी लावारिस नवजात को वही प्राथमिकता मिलती है, जो किसी प्रभावशाली या संपन्न परिवार के बच्चे को मिलती? यह सवाल भावनात्मक अवश्य है, लेकिन इसका उत्तर तथ्यों और निष्पक्ष जांच से ही मिल सकता है। बिना जांच के किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा, किंतु इस घटना ने स्वास्थ्य व्यवस्था की जवाबदेही पर गंभीर बहस अवश्य छेड़ दी है। अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच हो। यदि किसी स्तर पर लापरवाही सिद्ध होती है तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में कोई भी नवजात—चाहे वह किसी भी परिस्थिति में अस्पताल पहुंचे—उसे समय पर सर्वोत्तम उपचार मिले। किसी भी सभ्य समाज की पहचान इसी बात से होती है कि वह अपने सबसे असहाय नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। इस मासूम की मौत का सच सामने आना केवल एक परिवार या संस्था नहीं, बल्कि पूरे समाज के विश्वास के लिए आवश्यक है।

हत्या प्रकरण की जिला स्तरीय जांच की मांग

कप्तान ने थाना प्रभारी को दिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नरखी, ग्राम पंचायत घियार निवासी रामकुमार सिंह गोंड ने पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल को आवेदन सौंपकर अपनी पत्नी फूलबाई मरावी की हत्या के मामले में जिला स्तरीय निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि 27 जून को पुरानी रंजिश के चलते उनकी पत्नी की योजनाबद्ध तरीके से हत्या की गई, लेकिन अब तक मामले में न्यायोचित कार्रवाई नहीं होने से परिवार भय के माहौल में जीवन यापन कर रहा है।

आवेदन के अनुसार, घटना के दिन सुबह लगभग 11 बजे ग्राम के ही बाबू सिंह, महेश सिंह, लवकुश सिंह एवं बाबी बाई सहित चार लोगों ने एक राय होकर फूलबाई मरावी के साथ मारपीट की, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि घटना से पहले भी आरोपियों द्वारा लगातार जान से मारने की धमकी दी जाती रही थी। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपियों का कहना था कि पुलिस उनके प्रभाव में है और उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होगी।

शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में यह भी आरोप लगाया है कि आरोपितों के कारण उनके परिवार को दोबारा जान का खतरा बना हुआ है। उन्होंने पूरे मामले की जिला स्तरीय निष्पक्ष जांच कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल ने शिकायतकर्ताओं की बात गंभीरता से सुनी। उन्होंने मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल संबंधित थाना प्रभारी से दूरभाष पर चर्चा की तथा प्रकरण में न्यायोचित एवं विधिसम्मत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही शिकायत के प्रत्येक बिंदु की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। फिलहाल पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद उपलब्ध साक्ष्यों एवं तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पीड़ित परिवार ने निष्पक्ष जांच और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग दोहराई है।

चोरी की शिकायत की तो घर में घुसकर हमला

पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

शहडोल। जिले के ब्योहारी थाना अंतर्गत गढ़ा गांव में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। चोरी की शिकायत दर्ज कराने से बौखलाए दबंगों ने रात के अंधेरे में एक परिवार के घर का दरवाजा तोडक़र जानलेवा हमला कर दिया। लाठी, डंडे और धारदार कुल्हाड़ी (टांगी) से लैस हमलावरों ने पूरे परिवार को खून से लथपथ कर दिया। हैरानी की बात यह है कि पीड़ित परिवार अस्पताल में इलाज करा रहा है, लेकिन ब्योहारी पुलिस की संदेहास्पद खामोशी के चलते आरोपी खुलेआम घूमकर धमकियां दे रहे हैं। मामले की शुरुआत पिछले साल 15 जून 2025 को पीड़ित परिवार के घर हुई चोरी से हुई थी। पुलिसिया बयान में खुलासा हुआ कि गांव के ही अनिल कहार, अंश कहार और अरुण कहार ने चोरी का सोना सर्राफा बाजार में बेचा था। चोरी की रिपोर्ट दर्ज होने की खुन्नस में ये दबंग लगातार पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकियां दे रहे थे। बीती 9 जुलाई 2026 की रात करीब 08 बजे शिव कुमार कहार, अनिल कहार, किरन तिवारी, सोनू तेन, मीना तेन और खुशी तेन ने मिलकर पीड़ित के घर के दरवाजे का फाटक तोड़ दिया और अंदर दाखिल हो गए। आरोपियों ने गालियां देते हुए कहा चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराते हो, आज तुम्हें परिवार समेत खत्म कर देंगे।जब डर के मारे पीड़ित परिवार जान बचाने बाहर निकला, तो आरोपियों ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। आरोप है कि सोनू तेन ने कुल्हाड़ी से आवेदिका ललिता कहार पर वार किया, जिससे उनका पैर टूट गया और सिर में गहरी चोट आई। बीच-बचाव करने आए सुखलाल कहार को भी पकडक़र कुल्हाड़ी से मारा गया, जिससे उनका सिर भी फट गया। गांव वालों के मौके पर पहुंचने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए रफूचक्कर हो गए। आपातकालीन सेवा को फोन करने पर पुलिस पहुंची और पीड़ितों को ब्योहारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत देखते हुए उन्हें चिकित्सा महाविद्यालय स्थानांतरित कर दिया गया। पीड़ितों का आरोप है कि ब्योहारी पुलिस आरोपियों के रसूख के प्रभाव में है और आज तक उनके खिलाफ न तो मामला दर्ज हुआ है और न ही कोई दंडात्मक कार्रवाई की गई है। मजदूरी कर पेट पालने वाला यह परिवार अब इलाज के खर्च और दबंगों के खौफ से दाने-दाने को मोहताज है। थक-हारकर ललिता कहार और सुखलाल कहार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय, आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी और इलाज के खर्च की मांग की है।

एनसीसीएफ पर हजारों लाख का भुगतान अटका

शहडोल संभाग के राइस मिलर्स और ट्रांसपोर्टर्स ने भोपाल तक उठाई आवाज

शहडोल। संभाग के तीनों जिलों के राइस मिलर्स और परिवहनकर्ताओं में भुगतान को लेकर असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। राइस मिल एसोसिएशनों द्वारा भोपाल स्तर तक भेजे गए पत्रों में कहा गया है कि वर्ष 2024-25 में एनसीसीएफ के माध्यम से कराई गई कस्टम मिलिंग का कार्य निर्धारित समय में पूरा कर धान का सीएमआर भारतीय खाद्य निगम एवं नागरिक आपूर्ति निगम के मद में जमा करा दिया गया। इसके बाद भी मिलिंग चार्ज, प्रोत्साहन राशि, परिवहन व्यय, बारदाना उपयोग शुल्क, एफआरके, लोडिंग-अनलोडिंग, ईएमडी सहित विभिन्न मदों का भुगतान महीनों से लंबित है। वहीं ट्रांसपोर्टर्स ने भी परिवहन कार्य का बड़ा हिस्सा पूरा होने के बावजूद शेष भुगतान नहीं मिलने की शिकायत शासन स्तर तक पहुंचाई है।

शहडोल में दो हजार लाख से अधिक बकाया

शहडोल राइस मिल एसोसिएशन द्वारा महाप्रबंधक (मिलिंग), मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि जिले की सभी मिलों ने धान मिलिंग का कार्य पूरा कर बिल प्रस्तुत कर दिए हैं। इसके बावजूद विभिन्न मदों का भुगतान लंबित है। एसोसिएशन के अनुसार बारदाना यूजेज चार्ज 82.71 लाख, मिलिंग उपरांत अतिरिक्त जमा बारदाना राशि 426.92 लाख, एफआरके

247.88 लाख, लोडिंग 54.49 लाख, चावल एवं धान परिवहन राशि 774.82 लाख, लोडिंग-अनलोडिंग 259.45 लाख, मिलिंग चार्ज 22 लाख, प्रोत्साहन राशि 130 लाख तथा जमा अमानत राशि 55 लाख सहित कुल 2053.27 लाख रुपये का भुगतान शेष है।

अनूपपुर में 756.93 लाख लंबित

अनूपपुर राइस मिलर्स एसोसिएशन ने अपर मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में बताया कि जिले की सभी मिलों ने कस्टम मिलिंग पूरी कर सीएमआर जमा कर दिया है और सभी बिल भी एनसीसीएफ कार्यालय में प्रस्तुत किए जा चुके हैं। इसके बावजूद मिलिंग चार्ज 11.30 लाख, प्रोत्साहन राशि 56.50 लाख, बारदाना यूजेज चार्ज 45.26 लाख, अतिरिक्त जमा बारदाना राशि 167.45 लाख, एफआरके 74.28 लाख, लोडिंग चार्ज 26.75 लाख, चावल एवं धान परिवहन राशि 307.90 लाख, लोडिंग-अनलोडिंग 30.99 लाख तथा जमा अमानत राशि 36.50 लाख सहित कुल 756.93 लाख रुपये का भुगतान अब तक लंबित है। एसोसिएशन ने शीघ्र भुगतान कर आर्थिक संकट दूर करने की मांग की है।

उमरिया की मिलों का 8.12 करोड़ अटका

उमरिया राइस मिल एसोसिएशन ने प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड को भेजे गए पत्र में बताया कि जिले की मिलों ने सभी कार्य पूर्ण कर दिए हैं, लेकिन भुगतान नहीं हुआ। पत्र के अनुसार एफआरके 74.10 लाख, बारदाना यूजेज चार्ज 82.71 लाख, धान एवं सीएमआर ट्रांसपोर्टेशन 428.75 लाख, सीएमआर लेबर चार्ज 40.32 लाख, लोडिंग चार्ज 35.07 लाख, पुराने बारदाने का भुगतान 71.40 लाख, ईएमडी राशि 49.50 लाख, प्रोत्साहन राशि 28.36 लाख तथा 10 रुपये मिलिंग चार्ज 2.46 लाख सहित कुल 812.71 लाख रुपये लंबित हैं। एसोसिएशन का आरोप है कि परिवहन व्यय के भुगतान से भी इनकार किया जा रहा है।

परिवहनकर्ताओं ने भी खोला मोर्चा

शहडोल ट्रक ऑनर एसोसिएशन ने भी अपर मुख्य सचिव को पत्र भेजकर बताया है कि खरीफ उपार्जन वर्ष 2024-25 में शहडोल, अनूपपुर और उमरिया जिलों में एनसीसीएफ के माध्यम से परिवहन कार्य कराया गया। एसोसिएशन के अनुसार अब तक केवल 60 से 70 प्रतिशत भुगतान ही किया गया है, जबकि शेष राशि महीनों से लंबित है। भुगतान नहीं मिलने से ट्रांसपोर्टर्स डीजल, वाहन किराया, मजदूरी और अन्य आवश्यक खर्चों का भुगतान करने में असमर्थ हो रहे हैं। पत्र में उल्लेख किया गया है कि 17 अप्रैल 2026 को भी प्रमुख सचिव स्तर पर इस विषय को उठाया गया था, लेकिन अब तक समाधान नहीं हो सका है।

भोपाल तक पहुंची शिकायत, समाधान की प्रतीक्षा

शहडोल, अनूपपुर और उमरिया के राइस मिलर्स एसोसिएशनों ने अलग-अलग तिथियों में अपर मुख्य सचिव, प्रबंध संचालक, महाप्रबंधक (मिलिंग) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र भेजकर बकाया भुगतान की मांग की है। वहीं ट्रक ऑनर एसोसिएशन ने भी शासन स्तर पर हस्तक्षेप की मांग की है। सभी संगठनों का कहना है कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्य पूर्ण करने और बिल प्रस्तुत करने के बावजूद भुगतान नहीं होना गंभीर प्रशासनिक एवं वित्तीय समस्या को दर्शाता है। यदि शीघ्र भुगतान नहीं हुआ तो मिलर्स और परिवहनकर्ताओं की आर्थिक स्थिति और अधिक प्रभावित हो सकती है। फिलहाल सभी की निगाहें भोपाल स्तर पर होने वाले निर्णय पर टिकी हुई हैं।

खबर संक्षेप

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर कार्यक्रम आज

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व ने बताया कि बाघ संरक्षण एवं वन्य जीव संरक्षण के प्रति जन जागरूकता बढाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर 29 जुलाई को ताला बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व में कार्यक्रम सुबह 7 बजे से आयोजित किया गया है। इस अवसर पर सुबह 7 बजे जन जागरूकता रैली , सुबह 9 बजे से मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं। कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण, चलित प्रदर्शनी, जन जागरूकता गतिविधियां एवं सांस्कृतिक आयोजन होंगे ।

ज़रूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरने वाले आशीष मिश्रा बने प्रेरणा

भालूमाड़ा। शिक्षा के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए गणेश ट्रांसपोर्ट कंपनी के संचालक आशीष मिश्रा ने मंगलवार, 28 जुलाई को पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल भालूमाड़ा में एक प्रेरणादायी पहल करते हुए लगभग 300 विद्यार्थियों को कॉपी, पेन, टिफिन बॉक्स, पानी की बोतल एवं मिष्ठान वितरित किया। उपयोगी अध्ययन सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और विद्यालय परिसर उत्साह से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर आशीष मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता का आधार आर्थिक स्थिति नहीं, बल्कि मेहनत, लगन और आत्मविश्वास होता है। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे को यह नहीं सोचना चाहिए कि वह गरीब है या अमीर, सरकारी स्कूल में पढ़ता है या निजी विद्यालय में। इन बातों से नहीं, बल्कि परिश्रम और सीखने की इच्छा से भविष्य का निर्माण होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से भावुक अपील करते हुए कहा कि यदि किसी भी छात्र की पढ़ाई आर्थिक अभाव के कारण प्रभावित हो रही हो या उसे पढ़ाई से जुड़ी किसी भी सामग्री की आवश्यकता हो, तो वह बिना किसी संकोच के सीधे उनसे संपर्क कर सकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी बच्चे की शिक्षा केवल संसाधनों की कमी के कारण नहीं रुकने दी जाएगी और जरूरतमंद विद्यार्थियों की हरसंभव सहायता की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान आशीष मिश्रा ने विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं स्टाफ का सम्मान करते हुए उन्हें उपहार स्वरूप दीवार घड़ियां भेंट कीं। वहीं विद्यालय परिवार ने भी पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर आशीष मिश्रा के परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे। भाजपा नेता उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेमचंद यादव ने विद्यार्थियों को अनुशासन, संस्कार और मन लगाकर पढ़ाई करने का संदेश देते हुए आशीष मिश्रा की इस सामाजिक पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे आकर जरूरतमंद बच्चों का सहयोग करना चाहिए। आशीष मिश्रा की इस संवेदनशील पहल की विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। लोगों ने इसे सामाजिक सरोकार और शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण बताते हुए कहा कि यदि ऐसे प्रयास लगातार होते रहें तो अनेक प्रतिभाशाली बच्चों का भविष्य संवर सकता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सतीश सिंह, पत्रकार संतोष चौरसिया, गुलाब रजक, राकेश मिश्रा उर्फ चरकू, डबलू मिश्रा, विद्यालय का समस्त स्टाफ तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे<

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत विद्यार्थियों को किया जागरूक

राजनगर। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार संचालित "नशे से दूरी है जरूरी 2.0" अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रामनगर थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के साथ ही इससे उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य एवं सामाजिक समस्याओं की जानकारी दी। थाना प्रभारी ने कहा कि नशे की आदत युवाओं के भविष्य को प्रभावित करने के साथ ही परिवार और समाज के लिए भी गंभीर समस्या बनती जा रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य मयंक ठाकुर ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सुश्री मीरा पाव, संजय दास पनिका तथा अतिथि विद्वान अनुसुइया रजक, आनंद मिश्रा, दिग्विजय पाटिल, मनोज जायसवाल एवं श्रीमती भावना सिंह उपस्थित रहे।

मानपुर के वार्ड 10 में विकास के नाम पर सन्नाटा!

कागजों पर स्मार्ट, जमीन पर नरक

साहब आते हैं, फीता नापते हैं और गायब... 500 लोग कीचड़ में घिसटने को मजबूर

मानपुर। डिजिटल इंडिया और जगमगाते शहरों के ढोल चाहे जितने जोर से पीट लिए जाएं, लेकिन मानपुर नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 10 की धरातली हकीकत देखकर किसी की भी आंखें फटी की फटी रह जाएं। विकास की बातें यहां ऐसी उड़ती हैं जैसे आंधी में धूल, स्थिति यह है कि मानपुर का यह वार्ड आज भी आदिम काल की याद दिलाता है। न चलने को सडक़, न रात में देखने को रोशनी, राकेश बैगा के घर से लेकर भैया लाल साहू के घर तक का वो रास्ता, जिस पर रोज़ 500 से ज्यादा जिंदगियां घिसट-घिसट कर चलने को मजबूर हैं, अफसरों की अनदेखी और निकम्मेपन का सबूत दे रहा है।

दो ट्रॉली डस्ट फेंकी और हो गया विकास

वार्डवासियों का दर्द सालों पुराना है, लेकिन नगर परिषद के हुक्मरानों का दिल है कि पिघलता ही नहीं। तीन सालों से जनता शिकायती पत्र लेकर दफ्तरों के चक्कर घिस रही है और बदले में उन्हें क्या मिला? अधिकारी आते हैं, गंभीर चेहरा बनाकर रास्ता देखते हैं, एकाध फोटो खिंचवाते हैं और फिर ऐसे नदारद होते हैं जैसे गधे के सिर से सींग। हद तो तब हो गई जब पूर्व सीएमओ साहब ने बरुहा नाला के पास मेहरबानी दिखाते हुए दो ट्रॉली डस्ट फिंकवाकर अपने फर्ज़ की इतिश्री कर ली। वाह साहब वाह! 50 से 60 परिवारों की घनी आबादी वाले इलाके में दो ट्रॉली डस्ट डालकर ऐसा अहसान जताया गया जैसे कोई फोर-लेन हाईवे बना दिया हो, नतीजा यह है कि पहली ही बारिश में यह तथाकथित विकास कीचड़ का दलदल बन चुका है।

एंबुलेंस भी मांगने लगती है पानी

बरुहा नाला के आगे का रास्ता इतना बदतर और जानलेवा हो चुका है कि यहां पैदल चलना भी किसी सरकस के खेल से कम नहीं। छोटे-छोटे मासूम बच्चे जब बस्ता टांगकर स्कूल के लिए निकलते हैं, तो राह में फैला कीचड़ उनकी राह रोक लेता है। कई बार बच्चे फिसलकर गिरते हैं, उनकी ड्रेस और कापियां खराब होती हैं, लेकिन नगर परिषद के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। दो पहिया वाहन चालकों के लिए यह रोड किसी डेंजर ज़ोन से कम नहीं है। आए दिन लोग फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। सबसे खौफनाक स्थिति तो तब बनती है जब वार्ड में कोई बीमार पड़ता है। रास्ता इतना बदहाल है कि अगर कोई इमरजेंसी आ जाए तो 108 एंबुलेंस भी आने से हाथ खड़े कर देती है। मरीज को खाट पर लादकर ले जाने की नौबत है। क्या नगर परिषद किसी की मौत का इंतजार कर रही है?

स्ट्रीट लाइट बनी शो-पीस

रोड की तबाही कम थी जो स्ट्रीट लाइट का ड्रामा भी शुरू हो गया। पूरे वार्ड में घुप अंधेरा छाया रहता है। कुछ जगहों पर जो लाइटें खंभों पर लटकी दिखती हैं, वे सिर्फ़ शो-पीस हैं—न रात में जलती हैं, न दिन में। बरसात का मौसम है, चारों तरफ सांप-बिच्छू और जंगली जानवरों का खौफ मंडरा रहा है। अंधेरे में घर से बाहर निकलना अपनी जान जोखिम में डालने जैसा है। लेकिन नगर परिषद की बिजली शाखा शायद किसी कुंभकर्णी नींद में सोई हुई है, जिसे न तो जनता का खौफ दिख रहा है और न ही मासूमों का दर्द।

वरना सडक़ पर उतरेगी जनता!

तीन सालों के लंबे इंतजार और अंतहीन नारकीय यातना के बाद अब वार्डवासियों का सब्र का बांध टूटने लगा है। आक्रोशित ग्रामीणों ने अब कलेक्टर और मानपुर नगर परिषद की नवागत सीएमओ से गुहार लगाई है। जनता की मांग है कि राकेश बैगा के घर से भैयालाल साहू के घर तक की सडक़ का तत्काल पक्कीकरण/मुरमीकरण कराया जाए और बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को बदलकर पूरे वार्ड को रोशन किया जाए। अगर कागजी निरीक्षण का यह खेल बंद नहीं हुआ और जल्द ही जमीनी काम शुरू नहीं किया गया, तो वार्ड नंबर 10 की जनता नगर परिषद के गेट पर ताला ठोकने और उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी।

बांधवगढ़ में पूटू की लूट, वन विभाग सो रहा खरटि! वन्यजीवों की मांद में सुपारी, तस्करों की मौज, अफसर मौन

उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान का पनपथा कोर जोन इन दिनों वन्यजीवों के संरक्षण के लिए कम और 'पूटू' (दुर्लभ जंगली मशरूम) की खुली लूट के लिए ज्यादा मशहूर हो रहा है। सेजवाही और गंगीताल के जंगलों में तस्करों का राज चल रहा है, जबकि वन विभाग के जिम्मेदार हुक्मरान शायद किसी गफलत की नींद में सो रहे हैं। शहडोल और जयसिंहनगर से पहुंचे तस्करों ने जंगल के किनारे अपना 'अड्डा' जमा लिया है। ग्रामीणों को चन्द रुपयों की घुट्टी पिलाकर ये तस्कर रोज़ाना 10 से 15 बोरी दुर्लभ पूटू पार कर रहे हैं और तंत्र है कि आंखें मूंदे तमाशा देख रहा है।

सरपंच थक गए शिकायत करते

ग्राम पंचायत के सरपंच सुरेंद्र प्रताप सिंह कह-कह कर थक चुके हैं। उन्होंने एक नहीं, कई बार रेंजर रमेश पाटले की चौखट पर जाकर गुहार लगाई कि 'साहब, जंगल लुट रहा है, तस्करों को रोकिए,' लेकिन लगता है महकमे के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। अब सवाल यह उठता है कि क्या वन विभाग सिर्फ़ कागज़ी दौरों और बड़े-बड़े भाषणों तक सीमित रह गया है? जब जनप्रतिनिधि खुद सूचना दे रहे हैं, तब भी कोई कार्रवाई न होना दाल में काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली होने का अहसास कराता है।

क्या किसी बड़े हादसे का है इंतजार

बाघों की मांद में घुसकर गैर-कानूनी तरीके से वन उपज समेटना सिर्फ तस्करों की ढिठाई नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने जैसा है। अगर कल को जंगलों में पूटू के लालच में कोई ग्रामीण बाघ का निवाला बन गया, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? क्या तब वन विभाग मुहावरे गढऩे आएगा? क्षेत्र की जनता अब तमाशबीन बने रहने के मूड में नहीं है। ग्रामीणों ने साफ शब्दों में जिला प्रशासन और वन विभाग से मांग की है कि इन बाहरी तस्करों पर तत्काल नकेल कसी जाए, कोर जोन में घुसपैठ बंद हो और लापरवाह अफसरों की जवाबदेही तय की जाए। वरना, अगर जनता सडक़ पर उतरी तो अफसरों की कुर्सी का बचना भी मुश्किल हो जाएगा।

जान हथेली पर, जेब तस्करों की गरम

जिस कोर जोन में कदम रखते ही इंसानी रूह कांप जाती है और जहां हर पल बाघ का साया मंडराता है, वहां गांव वाले जान जोखिम में डालकर तस्करों की तिजोरी भर रहे हैं। तस्कर ग्रामीणों को कौडिय़ों के दाम टहलाते हैं और शहरों में इसी पूटू को सोने के भाव बेचकर मलाई काट रहे हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि चीते की रफ्तार से गश्त का दावा करने वाला वन अमला इन गाडिय़ों की आवाजाही पर कोई रोक नहीं लगा पा रहा। शाम ढलते ही बोरियों में भरकर पूटू की खेप बाहर भेजी जा रही है, पर साहब बहादुरों का उडऩदस्ता कहीं नजर नहीं आता।

जनसुनवाई में सुनी गई 125 आवेदकों की समस्याएं

उमरिया। साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने जिले के दूर दराज से आए 125 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा आवेदनों के निराकरण के लिए आवेदन संबंधित विभाग की ओर प्रेषित किया तथा विभागीय अधिकारियों को समुचित कार्यवाही करनें के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ममता बर्मन निवासी वार्ड नंबर 5 चंदिया ने बताया कि पति संतोश बर्मन वन विकास निगम उमरिय केंद्रीय रोपणी चंदिया में स्थाई कर्मी के पद पर पदस्थ थे, नाईट ड्युटी के दौरान 24-25 अप्रैल की दरम्यानी रात्रि सडक़ हादसे में उनकी मृत्यु हो गई। पति की मृत्यु पश्चात घर के संचालन में कठिनाईयों का सामना करना पड रहा है। उन्होंने मप्र राज्य वन विकास निगम लिमिटेड परियोजना मंडल उमरिया में जीवन यापन करने हेतु नियुक्ति दिलाए जाने की मांग की। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने संवेदनशीलता बरतते हुए संबंधित विभागीय अधिकारी को निर्देश दिए कि मृतक के स्वत्वों का भुगतान कराएं तथा उनकी पत्नी को आवश्यकतानुसार जीविकोपार्जन हेतु व्यवस्था सुनिश्चित करें ।

जनसुनवाई में मायाराम कोल ग्राम सकरवार ने समग्र आईडी मे सुधार कराने, सीता बाई ने पति शिवचरण की मौत आकाशीय बिजली से होने पर सहायता राशि उपलब्ध कराने, पंचू यादव छांदाखुर्द ने आवागमन हेतु रास्ता दिलाने, सुदामा प्रसाद गुप्ता ने वृध्दावस्था पेंशन दिलाने, अशोक कुमार यादव ग्राम धतूरा ने पीएम आवास दिलाने, दीपक सिंह ग्राम मलहरा ने पीएम एवं सीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने, जानकी बाई मजमानीकला ने सेवा निवृत्ति की राशि दिलाने, विजय कुमार सेन कैंप ने गरीबी रेखा में नाम जोडऩे, प्रीतम तिवारी सुखदास ने पक्की सडक़ का निर्माण कराने, अंजना महार सिलपरी ने मुख्यमंत्री कल्याणी पेंशन योजना का लाभ दिलाने, संजय साहू रक्सा ने मजदूरी का भुगतान कराने संबंधी आवेदन दिया। कलेक्टर ने संबंधित आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही करनें के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, प्रिया अग्रवाल, तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कोतमा में भरभराकर गिरा मकान का छज्जा, कार क्षतिग्रस्त

बाल-बाल बचा बड़ा हादसा, जर्जर भवनों को लेकर बढ़ी चिंता नपा ने दो भवन गिराए, 24-25 को नोटिस, बहुमंजिला इमारतों की भी बनेगी सूची

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 5 पुरानी बस्ती में मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब जगदीश तिवारी के मकान के छज्जे का बड़ा हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे आ गिरा। छज्जा गिरने से मकान के बाहर खड़ी एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि घटना के वक्त छज्जे के नीचे अथवा आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। अचानक छज्जा गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर नगर पालिका के अधिकारी और अमला भी मौके पर पहुंचा। नगरपालिका कर्मचारियों ने सड़क पर फैले मलबे को हटवाया, जिसके बाद आवागमन बहाल हो सका। घटना के बाद पुरानी बस्ती सहित नगर के अन्य क्षेत्रों में पुराने एवं जर्जर भवनों की सुरक्षा को लेकर लोगों में चिंता बढ़ गई है। छज्जा गिरने की घटना के बीच नगर पालिका द्वारा मंगलवार को नगर क्षेत्र में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर स्थिति में पहुंच चुके दो भवनों को गिराने की कार्रवाई भी की गई। बताया जा रहा है कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा करीब 24 से 25 क्षतिग्रस्त एवं जर्जर भवनों के मालिकों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इन भवनों की स्थिति को देखते हुए संबंधित भवन मालिकों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं नगर में बनी करीब 15 से 20 बहुमंजिला इमारतों के मालिकों की सूची भी नगर पालिका द्वारा तैयार की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार इन भवनों की स्थिति की जांच के बाद संबंधित भवन मालिकों को जल्द ही नोटिस जारी किए जाएंगे। बारिश के मौसम में पुराने भवनों के कमजोर हिस्सों के गिरने की आशंका को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन की कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दूसरी ओर नगर के वार्ड क्रमांक 3 में स्टेशन चौक के समीप स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की समस्या भी लंबे समय से बनी हुई है। नगर पालिका परिषद द्वारा पूर्व वर्षों में स्थानीय व्यापारियों को दुकान एवं व्यवसाय के लिए स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया गया था, लेकिन बारिश के मौसम में यहां जलभराव की समस्या दुकानदारों के लिए परेशानी का कारण बन जाती है। जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी कॉम्प्लेक्स के निचले हिस्से में जमा हो जाता है। कई बार स्थिति ऐसी बन जाती है कि ग्राउंड फ्लोर की दुकानों तक बारिश का पानी पहुंच जाता है। पानी भरने से दुकानदारों का सामान खराब होने का खतरा बना रहता है और उन्हें दुकानें बंद रखने तक की नौबत आ जाती है। दुकानदारों का कहना है कि दीनदयाल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के बगल में नगर पालिका द्वारा एक अन्य शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जा रहा है।

एक ओर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान, दूसरी ओर हरे-भरे पेड़ों का कत्लेआम कदम टोला इंडस्ट्रियल एरिया में लीज पर आवंटित शासकीय भूमि पर बड़े पेड़ों की कटाई

कोतमा। जिले में एक ओर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जगह-जगह बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 से लगे कदमटोला इंडस्ट्रियल एरिया में हरे-भरे और वर्षों पुराने पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया है। लीज पर आवंटित शासकीय भूमि पर बड़े-बड़े पेड़ों को काटे जाने से पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि जब शासन स्तर पर पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण को लेकर लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं, तब दूसरी ओर हरे पेड़ों की कटाई पर जिम्मेदार विभागों की नजर क्यों नहीं है? बताया जा रहा है कि कदमटोला इंडस्ट्रियल एरिया में हाईवे से लगी लीज की भूमि पर बड़े आकार के हरे पेड़ों की कटाई की जा रही है। इन पेड़ों में कई ऐसे वृक्ष भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो वर्षों पुराने होने के साथ-साथ क्षेत्र में राहगीरों और स्थानीय लोगों को छाया देने के अलावा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पेड़ों की कटाई से क्षेत्र की हरियाली प्रभावित होने के साथ भविष्य में इसके पर्यावरणीय दुष्परिणाम सामने आने की आशंका जताई जा रही है।

पर्यावरण संरक्षण के दावों पर उठे सवाल

पर्यावरण दिवस सहित विभिन्न अवसरों पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर बड़े-बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण बचाने का संदेश दिया जाता है, लेकिन दूसरी ओर क्षेत्र में हरे-भरे पेड़ों की लगातार कटाई पर्यावरण संरक्षण के दावों पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण करने से पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। पुराने और बड़े वृक्षों को बचाना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 से लगे कदमटोला इंडस्ट्रियल एरिया में लीज पर आवंटित भूमि पर विकास कार्य किए जाने की स्थिति में भी यह देखा जाना चाहिए कि अनावश्यक रूप से हरे पेड़ों की कटाई न हो। यदि किसी पेड़ को हटाना आवश्यक है तो संबंधित नियमों के तहत अनुमति और निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि कई दशक पुराने वृक्षों को तैयार होने में वर्षों लगते हैं, लेकिन इन्हें काटने में कुछ ही समय लगता है। इसलिए पेड़ों की कटाई के मामले में जिम्मेदार विभागों को गंभीरता से जांच करनी चाहिए।

पौधारोपण के साथ पुराने पेड़ों का संरक्षण भी जरूरी

समाजसेवी शिवांश सिंह ने कहा कि विश्व औद्योगिक क्षेत्रों में तो हरियाली और पेड़ों का महत्व और अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि यहां प्रदूषण को नियंत्रित करने में वृक्ष महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर्यावरण प्रेमियों ने मांग की है कि कदमटोला इंडस्ट्रियल एरिया में हो रही पेड़ों की कटाई की संबंधित विभाग द्वारा जांच कराई जाए। यह भी स्पष्ट किया जाए कि काटे जा रहे पेड़ों के लिए आवश्यक अनुमति ली गई है या नहीं। यदि बिना अनुमति पेड़ों की कटाई की जा रही है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

बढ़ता तापमान और बिगड़ता पर्यावरणीय संतुलन चिंता का विषय

पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि लगातार कम होती हरियाली का सीधा असर स्थानीय पर्यावरण पर पड़ता है। वृक्षों की संख्या घटने से तापमान बढ़ने, भूजल स्तर प्रभावित होने और मौसम में असामान्य बदलाव जैसी समस्याएं भविष्य में और गंभीर हो सकती हैं।

सिर्फ पौधे लगाने से नहीं < बचेगा पर्यावरण

पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि आज ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे समय में पर्यावरण संरक्षण के नाम पर केवल पौधारोपण के कार्यक्रम आयोजित करना पर्याप्त नहीं है। लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण के साथ-साथ मौजूदा हरे-भरे पेड़ों को बचाना भी जरूरी है। यदि एक ओर हजारों पौधे लगाए जाएं और दूसरी ओर पुराने पेड़ों की कटाई होती रहे तो पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों का अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाएगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि कदमटोला इंडस्ट्रियल एरिया में पेड़ों की कटाई के मामले की मौके पर जांच कराई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि शासकीय भूमि पर आवंटित लीज के नाम पर पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी न हो।

आज मनाई जाएगी गुरु पूर्णिमा, नगर में होंगे विविध धार्मिक कार्यक्रमगुरु-शिष्य परंपरा के पर्व पर विद्यालयों में भी होंगे आयोजन

कोतमा। नगर सहित पूरे कोयलांचल और ग्रामीण अंचलों में बुधवार, 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। उदया तिथि के अनुसार पूर्णिमा तिथि इसी दिन व्याप्त होने के कारण विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थानों द्वारा गुरु पूजन सहित विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गुरु पूर्णिमा को महर्षि वेद व्यास के जन्मोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है, जिसके चलते इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति सम्मान और तज्ञता व्यक्त करने का विशेष पर्व माना जाता है। इस दिन शिष्य अपने गुरु का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। नगर के विभिन्न आश्रमों, मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर गुरु पूजन, भजन-कीर्तन, सत्संग, धार्मिक ग्रंथों का पाठ, ध्यान, योग तथा सेवा कार्य सहित अनेक आयोजन किए जाएंगे। पंडित कुंज बिहारी मिश्रा के अनुसार गुरु पूर्णिमा का संबंध महर्षि वेद व्यास से है। मान्यता है कि इसी दिन महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। उन्होंने चारों वेदों का संकलन किया तथा अठारह पुराणों और महाभारत की रचना की। इसी कारण गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। उन्होंने बताया कि देशभर के आश्रमों, गुरुकुलों, विद्यालयों और धार्मिक संस्थानों में इस अवसर पर महर्षि वेद व्यास एवं अपने-अपने गुरुओं का पूजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक होता है। गुरु के मार्गदर्शन से व्यक्ति अज्ञानता के अंधकार से निकलकर ज्ञान और संस्कार के प्रकाश की ओर बढ़ता है।पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि गुरु पूर्णिमा केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा और गुरु के प्रति सम्मान का प्रतीक है। माता-पिता, शिक्षक तथा आध्यात्मिक मार्गदर्शक भी जीवन में गुरु की भूमिका निभाते हैं। आधुनिक तकनीकी युग में शिक्षा, विज्ञान, कला, साहित्य और समाज के प्रत्येक क्षेत्र में मार्गदर्शन की आवश्यकता बनी हुई है। ऐसे में गुरु पूर्णिमा का महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि 29 जुलाई को रात 8 बजे पूर्णिमा तिथि का पूजन समय प्रारंभ होगा, जबकि दिनभर पूर्णिमा तिथि के दौरान श्रद्धालु अपनी परंपरा और सुविधा के अनुसार गुरु पूजन, दान-पुण्य एवं धार्मिक

खबर संक्षेप

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर कार्यक्रम आज

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व ने बताया कि बाघ संरक्षण एवं वन्य जीव संरक्षण के प्रति जन जागरूकता बढाने के उददेश्य से अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर 29 जुलाई को ताला बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व में कार्यक्रम सुबह 7 बजे से आयोजित किया गया है। इस अवसर पर सुबह 7 बजे जन जागरूकता रैली , सुबह 9 बजे से मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं। कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण, चलित प्रदर्शनी, जन जागरूकता गतिविधियां एवं सांस्कृतिक आयोजन होंगे ।

क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य ने स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

उमरिया। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं रीवा डॉक्टर जी.एस.परिहार ने उमरिया जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को अवलोकन करते हुए जिला चिकित्सालय में संचालित गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होने ओपीडी एवं आईपीडी में दर्ज मरीजों के संबंध में चर्चा की तथा मरीजों से संवाद कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने एनआरसी ,एसएनसीयू ,प्रसूति वार्ड ऑपरेशन थियेटर एवं इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण किया । उन्होने नर्सिंग स्टाफ को मरीज के साथ विनम्रतपूर्वक व्यवहार करते हुए उपचार करने के निर्देश दिए तथा एनक्वास सर्टिफिकेशन के तहत मापदंडों को नियमित रूप से बनाए रखने एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए । निरीक्षण उपरांत क्षेत्रीय संचालक ने समीक्षा बैठक में प्रथम तिमाही में गर्भवती माता का पंजीयन करना तथा शिशुओं के पूर्ण टीकाकरण के संबंध में विस्तृत जानकारी ली उन्होने आशा कार्यकर्ता के माध्यम से ग्राम स्तर पर नवीन विवाहित जोड़े को चिन्हित कर सर्वप्रथम परिचय एवं एनीमिया एवं सिकल सेल की जांच करने की निर्देश दिए । उन्होंने समस्त मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि मैदानी स्तर पर भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं आवश्यक उपचार दें जिसमें विशेष मातृ स्वास्थ्य एवं शिशु स्वास्थ्य ,परिवार कल्याण कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन एवं क्रियान्वयन गुणवत्तापूर्ण संपादित करने में मदद मिल सके। सीएमएचओ डा व्ही एस चंदेल ने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में मुख्य चिकितसा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदेल, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉक्टर रिचा गुप्ता सर्जन डॉक्टर बी.के. प्रजापति, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एस के निपाने,डॉक्टर सी.पी.शाक्य आर एम ओ डॉ संदीप सिंह, जिला क्षय अधिकारी डॉक्टर मुकुल तिवारी, डॉ बी.वर्मा मुख्यखंड चिकित्सा अधिकारी मानपुर डॉक्टर एन.पी.जैसल मुख्यखंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पी एल सागर ,जिला कार्यक्रम प्रबंधक दशन पन्द्राम,समस्त कार्यक्रम के कंसल्टेंट एवं नोडल अधिकारी,समस्त विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक समस्त कम्युनिटी मोबिलाइज उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा की व्यापक तैयारियां: श्रीराम जानकी मंदिर, कटकोना मानव कल्याण आश्रम और टीटी नगर में सजेंगे आस्था के दरबार

बुढ़ार। नगर के ऐतिहासिक एवं सुप्रसिद्ध श्रीराम जानकी मंदिर में आज बुधवार को गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व पूरे श्रद्धा, आस्था और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। अनादि काल से चली आ रही गुरु-शिष्य की पावन परंपरा के तहत इस अवसर पर श्रद्धालुजन अपने पूज्य गुरुदेव का विधिवत पूजन-अर्चन कर शुभाशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

श्रीराम जानकी मंदिर, मानव कल्याण आश्रम में विशेष पूजन व भंडारा

श्रीराम जानकी मंदिर के पूज्य महंत श्री अर्जुन दास जी महाराज का पूजन उनके परम शिष्यों एवं श्रद्धालुजनों द्वारा किया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर के साकेतवासी महंत श्री नारायण दास शास्त्री जी महाराज के तैलचित्र एवं पूज्य ब्रह्मलीन महंत श्रीराम बालक दास जी महाराज के चित्र को साक्षी मानकर विधि-विधान से अर्चन किया जाएगा। महंत श्री अर्जुन दास जी महाराज ने नगर व आसपास के सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से गुरु पूजन कार्यक्रम एवं आयोजित भंडारा प्रसाद ग्रहण करने का विनम्र आग्रह किया है। मंदिर में भव्य आयोजनों की सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।

कटकोना में भी उमड़ेगी श्रद्धा

मानव कल्याण आश्रम (कटकोना) स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में भी गुरु पूर्णिमा पर्व अत्यंत श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। यहाँ साकेतवासी स्वामी सच्चिदानंद जी महाराज के परम शिष्य 'गीतानुरागी' श्रीकांत शर्मा के संयोजन में उनके शिष्यों द्वारा गुरु पूजन और धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन संपन्न कराया जाएगा।

टीटी नगर में विशेष आयोजन

टीटी नगर क्षेत्र में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक शिवेंद्र कुमार द्विवेदी गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर अपने शिष्यों को पारंपरिक विधि-विधान से गुरुदीक्षा, आशीर्वाद प्रदान करेंगे। पूरे बुढ़ार अंचल में गुरु पूर्णिमा को लेकर व्यापक उत्साह है और आश्रमों व मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता जुटने की संभावना है।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विशेष

चेतनावान गुरु जैसी कृपा कोई नहीं कर सकता

ब्यौहारी। हर काल में गुरु महत्वपूर्ण रहे हैं और समय अनुसार गुरु सत्ता ने हमेशा मानवता का कल्याण किया है चाहे वह सतयुग हो द्वापर हो या त्रेता हो सभी देव पुरुषों के जीवन में गुरु सत्ता की विशेष महत्ता रही है।वर्तमान की विषम परिस्थितियों में एक चेतनावन गुरु का मिलना दुर्लभ है, क्योंकि वर्तमान में जो चीज दिखती हैं वह सच नहीं होती है। सत्य इतना आसानी से सामने नहीं आता, आज देश में आने को पंथ संप्रदाय हैं सभी अपने आप को गुरु और श्रेष्ठ खाने में लगे हुए है। सोशल मीडिया के दौर मैं आज वही सर्वश्रेष्ठ गुरु बने बैठे हैं जो मीडिया मैनेजमेंट में अच्छे से इन्वेस्ट कर सकते हैं। ज्योतिष में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को राहु कहा गया टीवी मोबाइल में दिनभर दिखने वाले अधिकांश संत जिनका जीवन एकांत साधना में नहीं है, लोक कल्याण में नहीं है वह आपको हर न्यूज़ चैनलों में और हर टीवी चैनलों पर आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे लेकिन ऐसे लोग साधना से विहीन है तपस्या से भी हैं चेतन बार नहीं है तो समाज को क्या दे सकते हैं ? वर्तमान में आने को बयान वीर हर संप्रदायों में लोग बने बैठे हैं क्या ऐसे लोगों से समाज का कल्याण हो सकता है?

जय जय जय हनुमान गोसाई कृपा करो गुरुदेव की नाई

हनुमान चालीसा में कहा गया है, कि हे हनुमान जी आप गुरुदेव की तरह कृपा करो। अब आप समझ सकते हैं कि गुरु की मानव जीवन में क्या महत्व है, गुरु की क्या कृपा होती है कि देवताओं को भी कृपा करने के लिए गुरुओं की उपमा दी गई है फिर आप सोच की गुरु कैसे होने चाहिए ? एक चेतनावान गुरु अपनी चेतना तरंगों के माध्यम से हर समय अपने शिष्यों का मार्गदर्शन करते हैं, चाहे शिष्य दुनिया की किसी कोने में जाए लेकिन गुरु सूक्ष्म रूप से उनके साथ होते हैं। अब आप समझ सकते हैं कि गुरु की कुंडली चेतना जागृत होनी चाहिए गुरु का सूक्ष्म शरीर जागृत होना चाहिए अन्यथा आज कोई शरीर धारी गुरु हमेशा हमारे साथ हर पल नहीं रह सकता गुरु शरीर का जीवन नहीं वह सूक्ष्म शरीर का जीवन जीता है, वह निराश में भी आशा का संचार करते हैं।

इस तिमिर अंधकार को मिटाने के लिए शक्तिपुत्र जी महाराज गुरु रूप में लिया संकल्प

वर्तमान की युवा शक्ति नशे, मांस चरित्रहीनता के अंधकार में डूबती जा रही राजसत्ताएं भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, विपक्ष देश विरोधी गतिविधियों में लगा हुआ। जब मानव का विवेक ही संतुलित नहीं है तो वह कैसे स्वयं क और देश का कल्याण कर सकता है, आज माता-पिता अपने बच्चों का भविष्य देखकर दुखी हैं, सरकारें केवल धन कमाने के लिए देश का भविष्य को नष्ट कर रही है, बच्चे नशे के कारण अपने परिजनों की हत्या कर रहे। इन विषम परिस्थितियों को देखते हुए श्री शक्तिपुत्र जी महाराज ने भगवती मानव कल्याण संगठन का गठन करके पूरे देश में नशा मांसाहार से मुक्त चरित्रवान का अभियान चलाया है जिसका प्रभाव है कि आज करोड़ों लोग बिना किसी शुल्क के नशा मुक्त हो रहे हैं। इस अखिल ब्रह्मांड की गुरु माता भगवती आदिशक्ति जगत जननी जगदंबा को ईस्ट मान कर अपना और समाज का कल्याण कर रहे हैं। वहीं पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम कर एक चेतना केंद्र के रूप में स्थापित किया जहां लोगों को मां भगवती जगत जननी जगदंबा की ममता का एहसास हो सके आज वहां पर 15 अप्रैल 1997 से अखंड अनंत काल के लिए श्री दुर्गा चालीसा पाठ चल रहा है जिसकी ऊर्जा का प्रभाव है कि आज वहां लाखों करोड़ों लोग पहुंचकर अपने अवगुणों से मुक्त हो रहे हैं गुरुदेव जी के आशीर्वाद से आज गुरु संकल्पों से चलकर समाज कल्याण कर रहे हैं। वर्तमान में जिस तरह से देश के राजनीतिक दल भटकती जा रहे हैं मानवता और दया ममता से दूर हो चुके हैं राजसत्ताएं धर्म और देश की आड़ में भ्रष्टाचार कर रहे हैं विपक्ष सत्ता पाने के लिए देश विरोधी एजेंडा पर चल रहा है युव शक्ति की बेरोजगारी का फायदा उठाकर देश को जलाने का प्रयास हो रहा है, देश में आज स्वच्छ शिक्षा स्वच्छ परीक्षा का अभाव है वर्तमान में भ्रष्टाचार कोई मुद्दा ही नहीं है। इसके लिए श्री शक्तिपुत्र जी महाराज ने भारतीय शक्ति चेतना पार्टी का गठन किया है, जिनके पदाधिकारी अवगुणों से मुक्त हैं आज ऐसे लोग वर्तमान की चुनाव में उतर रहे हैं जिनको पता है कि परिणाम क्या आना है फिर भी वह अपना धन समय और सेवा के माध्यम से समाज को जगाने का प्रयास कर रहे हैं आज यह विचारधारा प्रथम चरण में है लेकिन जनता जब इन देश की वर्तमान राज सातों के आतंक से ग्रसित होगी तब से भारतीय शक्ति चेतना पार्टी की विचारधारा के साथ चलकर एक स्वच्छ राजनीति का निर्माण होगा। जो वर्तमान में फैले अंधकार को बुराइयों को हटाकर समाज को एक ज्योतिर्मय लोक कल्याण का मार्ग दिखाएं वही सच्चागुरु है।

ब्योहारी के वन बिहार ढाबा के आगे रोड के किनारे मिला कार्तिक लोनी का शव, परिजनों ने जताया हत्या का संदेह

ब्योहारी थाना से लगभग तीन किलोमीटर दूर रीवा शहडोल राज्य मार्ग के किनारे एक शव मिला जिसकी पहचान कार्तिक लोनी उम्र 25 वर्ष ग्राम मरखोही विकास खण्ड जैयसिंहनगर के रुप में हुई कार्तिक के परिजनों ने बताया कि कार्तिक लोनी फूटू का व्यावसाय करता था और कल शाम को फूटू लेकर ब्योहारी पहुंचा और थोक व्यापारी को फूटू बेचकर कर घर जाने की बात कहकर निकला पर घर नहीं पहुंचा और सुबह छः बजे पुलिस 112 को सूचना प्राप्त हुई कि वन बिहार ढाबा के आगे सड़क के किनारे एक शव पड़ा है जिसपर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शव को लेकर सिविल अस्पताल ब्योहारी पहुंचे जिसे डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया और सूचना पुलिस थाना ब्योहारी को दी जिसमें तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस शव को कब्जे में पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप विवेचना शुरू कर दी मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई और कहा कि विमलेश लोनी और उसके साथियों व्दारा विगत 18 तारीख को जानलेवा हमला किया था जिसकी जैयसिंहनगर थाने में दर्ज कराई गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने से आरोपियों के हौसले बुलंद थे और जान से मारने की धमकी दी जा रही थी परिजनों का कहना है कि घटना के दिन ब्योहारी में घूमते देखे गए है । हालांकि मृत्यु का कारण पुलिस पोस्ट मार्टम रिपोर्ट एवं विवेचना के बाद ही पता चल पाएगा कि हत्या है या एक्सीडेंट लेकिन इस घटना परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है परिजनों ने पुलिस अधीक्षक महोदय से निष्पक्ष जांच की मांग की गई है

पूर्व कलेक्टर डॉ. केदार सिंह से सौजन्य भेंट

शहडोल। जिले में पदस्थ रहे पूर्व कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के स्थानांतरण उपरांत उनके निवास पहुंचकर भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य रामनारायण पांडेय एवं राजेश द्विवेदी ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. सिंह को गुलदस्ता एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनके सफल एवं जनहितैषी कार्यकाल के लिए आत्मीय आभार व्यक्त किया। भेंट के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि डॉ. केदार सिंह ने अपने कार्यकाल में प्रशासनिक कुशलता, संवेदनशीलता एवं जनहित के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट परिचय दिया। उनके नेतृत्व में जिले में विकास कार्यों को गति मिली तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं सुशासन की स्थापना में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राजेश द्विवेदी एवं रामनारायण पांडेय ने डॉ. केदार सिंह के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं नवीन दायित्वों में निरंतर सफलता की शुभकामनाएं देते हुए उनके द्वारा जिले के विकास में दिए गए योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. सिंह जहां भी पदस्थ होंगे, अपनी कार्यकुशलता एवं जनसेवा के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य करते रहेंगे।

कन्या शिक्षा परिषद पाली में भ्रष्टाचार के दोषियों पर कार्रवाई की मांग, NSUI ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

उमारिया। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) मध्यप्रदेश के प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया के नेतृत्व में जिला कलेक्टर उमरिया को ज्ञापन सौंपकर कन्या शिक्षा परिषद पाली में छात्रवृत्ति गबन, फर्जी उपस्थिति, वित्तीय अनियमितताओं एवं अन्य गंभीर भ्रष्टाचार के मामलों में जांच में दोषी पाए गए कर्मचारियों पर तत्काल दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया कि मामले की जांच में अनियमितताएं प्रमाणित होने के बावजूद अब तक दोषियों के विरुद्ध कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे छात्राओं, अभिभावकों एवं आमजन में भारी आक्रोश व्याप्त है। NSUI ने मांग की कि जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक कर दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध शीघ्र कठोर कार्रवाई की जाए। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई नहीं हुई तो NSUI जनहित में व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस अवसर पर कार्यक्रम प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया के नेतृत्व में एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजीनियर विजय कोल की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस दौरान प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस विक्रम प्रताप सिंह, जनपद अध्यक्ष मनीष सिंह, जनपद सदस्य रोशनी सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष युवा कांग्रेस जॉनी तिवारी, अभय सिंह, सूर्य सिंह, जावेद खान, रवि प्रजापति, दुर्गेश नामदेव, हर्षित तिवारी, फैजान नियाजी, सोहेल खान सहित अन्य कार्यकर्ता एवं छात्र उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस पर युवा टीम उमरिया ने 100 फीट तिरंगे के साथ निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

उमरिया। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर युवा टीम उमरिया द्वारा ग्राम पंचायत मलियागुड़ा स्थित शासकीय माध्यमिक शाला, मलियागुड़ा से 100 फीट लंबे राष्ट्रीय ध्वज के साथ भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, युवा टीम के सदस्यों एवं ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए "भारत माता की जय", "वंदे मातरम्", "जय हिंद" एवं "अमर शहीद अमर रहें" के गगनभेदी नारों से पूरे क्षेत्र को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। विशाल तिरंगे के साथ निकली यात्रा ने उपस्थित जनसमूह में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और वीर सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना का संचार किया।यह तिरंगा यात्रा ग्राम पंचायत सरपंच लक्ष्मी लोकनाथ सिंह मरावी, शासकीय माध्यमिक शाला मलियागुड़ा की प्रधानाध्यापक सारिका नामदेव तथा युवा टीम उमरिया के संयोजक हिमांशु तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यक्रम का उद्देश्य कारगिल युद्ध के अमर वीर शहीदों के अद्वितीय साहस, शौर्य एवं सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हुए नई पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, राष्ट्रीय एकता एवं देशसेवा की भावना को सशक्त करना था।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच लक्ष्मी लोकनाथ सिंह मरावी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस हमारे वीर सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने जीवन में अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्रहित की भावना को सर्वोपरि रखते हुए देश के जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया।

युवा टीम उमरिया के संयोजक हिमांशु तिवारी ने विद्यार्थियों को कारगिल विजय दिवस के इतिहास तथा वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सेना द्वारा प्रदर्शित अद्वितीय वीरता और पराक्रम की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस 100 फीट तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य कारगिल के अमर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करना, उनके बलिदान और शौर्यगाथा को नई पीढ़ी तक पहुँचाना तथा युवाओं और विद्यार्थियों के मन में राष्ट्रभक्ति, तिरंगे के प्रति सम्मान और देशसेवा की भावना को जागृत करना है। उन्होंने कहा कि जिन वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की सीमाओं की रक्षा की, उनके त्याग को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर प्रत्येक युवा का दायित्व है कि वह राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज और देश के विकास में अपनी सक्रिय एवं सकारात्मक भूमिका निभाए।उन्होंने आगे कहा कि तिरंगा केवल भारत का राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह तिरंगे का सम्मान करे, राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत बनाए तथा अपने कर्तव्यों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ पालन करे। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रसेवा की भावना को भी अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित जनों ने कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का सामूहिक संकल्प लिया।

इस अवसर पर मंठार पुलिस चौकी प्रधान आरक्षक दिलीप गुप्ता, आरक्षक सुधीर द्विवेदी, प्रधानाध्यापक श्रीमती सारिका नामदेव, शिक्षक फूल सिंह ठाकुर, प्रतीक्षा गौतम, सोनिका सिंह, संजू दहिया, आर.एस. दिलीप सोनी, युवा टीम संयोजक हिमांशु तिवारी, अभिनव द्विवेदी, आकांक्षा राठौर,छात्र हर्ष बंस्कार, अस्मा सिंह, गौरी तिवारी,सुप्रिया,वेदिका सहित विद्यालय परिवार, युवा टीम के सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

आदर्श महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस पर हुए अनेक कार्यक्रम

उमरिया। शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल युद्ध के वीर शहीदों के अदम्यसाहस, वीरता को नमन किया गया । राष्ट्रभक्ति एवं कर्तव्य बोध के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नियाज अहमद अंसारी के निर्देशन तथा श्रीमती निशी कर्ण के संयोजन एवं डॉ राजीव तिवारी के संचालन में किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा निबंध,भाषणएवं देशभक्ति गीतों द्वारा सैनिकों के अदम्य साहस ,त्याग एवं बलिदान से को परिचय कराते हुए राष्ट्र सेवा में समर्पित रहने के लिए संकल्प लिया गया । छात्र-छात्राओं को कारगिल विजय के महत्व से जुड़ी डाक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। इन गितिविधयों में अंकित साहू ,गीता प्रजापति ,काशी राठौर,सोनिया भावनानीआदि ने उत्कृष्ट प्रस्तुति दी । इस अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में डॉ नवीन उपाध्याय,डॉ राजेंद्र प्रसाद आदि ने कारगिल विजय दिवस से परिचय कराया । कार्यक्रम के आयोजन में डॉ परमेश्वर सिंह मरावी, रेम सिंह हटिला, डॉ. विजय डाबर,श्री डॉ वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ,डॉ सपना झारिया ,सुश्री अपूर्वा दाहयत, डॉ हरेन्द्र कुमार,हरीश शुक्ला, डॉ. सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। तकनीकी सहयोग डॉ हरेन्द्र कुमार ने प्रदान किया ।

प्रस्फुटन समितियों का शक्ति संचय कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में संवाद योजना अंतर्गत प्रस्फुटन समिति विकासखंड स्तरीय मासिक बैठक का आयोजन जिला पंचायत सभागार में किया गया। बैठक में संभाग समन्वयक भीम सिंह डामोर द्वारा प्रस्फुटन समितियों को सक्रिय, सशक्त और प्रभावी बनाने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साथ चलें, साथ बढ़ें हम सबके मन और विचार एक हों। जब हम एक विचार और एक उद्देश्य के साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति निश्चित रूप से होती है। उन्होंने प्रस्फुटन समितियों के कार्यों के लिए तीन महत्वपूर्ण शब्दों,स्वैच्छिकता, सामूहिकता और स्वावलंबन को विशेष रूप से रेखांकित किया। स्वैच्छिकता का अर्थ है कि समाज और गांव के विकास के लिए कार्य किसी दबाव में नहीं, बल्कि स्वयं की इच्छा और सेवा भावना से किया जाए। सामूहिकता का अर्थ है कि गांव का विकास किसी एक व्यक्ति का कार्य नहीं, बल्कि अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं समिति के सभी सदस्यों तथा ग्रामीणों की सहभागिता से संभव है।बैठक में छोटे-छोटे कार्यों से बड़े बदलाव की शुरुआत करने पर जोर दिया गया। गांव में स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण, हैंडपंप के आसपास जलभराव की समस्या का समाधान, मंदिर एवं मुक्तिधाम की स्वच्छता, उद्यानों का विकास, पौधारोपण एवं पौधों का संरक्षण, नशामुक्ति अभियान तथा सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों को समिति के माध्यम से संचालित करने की बात कही गई। आगामी गतिविधियों के अंतर्गत हरियाली अमावस्या पर पौधारोपण एवं पौध संरक्षण, हर घर तिरंगा अभियान, स्वच्छता अभियान एवं अन्य जनभागीदारी आधारित कार्यक्रमों की कार्ययोजना बनाने पर भी चर्चा की गई। पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी तय करने तथा अधिक से अधिक पौधों को जीवित रखने का संकल्प लेने पर विशेष बल दिया गया। जिला समन्वयक रविन्द्र शुक्ला ने कहा कि केवल कार्यक्रम आयोजित करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक गतिविधि का दस्तावेजीकरण भी आवश्यक है। समिति द्वारा किए गए कार्यों, बैठकों, निर्णयों और गतिविधियों का नियमित रिकॉर्ड रखा जाए, ताकि किए गए कार्यों का मूल्यांकन और भविष्य की योजना बेहतर ढंग से बनाई जा सके। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाज सेवी के के पांडेय ने जन अभियान परिषद द्वारा किए जा रहे आयोजनों में परिषद की भूमिका पर प्रकाश डाला । इस अवसर पर नवांकुर संस्था प्रमुख, परामर्शदाता तथा विकासखंड करकेली अंतर्गत संचालित सभी प्रस्फुटन समितियों के

खबर संक्षेप

पसला गांव में करैत सर्प का कहर, जमीन पर सो रहे अधेड़ की मौत

अनूपपुर। कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत पसला गांव में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात जमीन पर सो रहे 46 वर्षीय अधेड़ की अत्यंत जहरीले करैत सर्प के डसने से मौत हो गई। घटना के बाद घर में खोजबीन करने पर मृतक के बिस्तर के पास ही करीब दो से तीन फीट लंबा करैत सर्प बेहोशी की हालत में मिला। घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना अनूपपुर से करीब 12 किलोमीटर दूर पसला गांव के प्राथमिक विद्यालय के समीप रहने वाले 46 वर्षीय शंकर प्रसाद कोल पिता छोटू कोल सोमवार की रात रोजाना की तरह खाना-पीना खाने के बाद अपने प्रधानमंत्री आवास योजना से निर्मित पक्के मकान के अंदर जमीन पर अकेले सो गए थे। मंगलवार की सुबह काफी देर तक शंकर के नहीं उठने और कोई प्रतिक्रिया नहीं देने पर उनकी मां गुजरिया बाई ने नाती कमलेश प्रसाद कोल को बुलाया। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी मौके पर पहुंचकर शंकर को जगाने का प्रयास किया, लेकिन वह कुछ बोल नहीं रहे थे। परिजन कुछ व्यवस्था कर पाते, इससे पहले ही उनकी मौत हो गई। शंकर की मौत के बाद परिजनों ने घर के अंदर आसपास खोजबीन की। इसी दौरान बिस्तर के पास दो से तीन फीट लंबा अत्यंत जहरीला करैत प्रजाति का सर्प बेहोशी की स्थिति में दिखाई दिया। मृतक के बाएं कंधे पर सर्पदंश का निशान भी पाया गया। इसके बाद परिजनों ने घटना की सूचना कोतवाली थाना अनूपपुर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सहायक उपनिरीक्षक महिपाल प्रजापति पुलिस दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच प्रारंभ की। पुलिस ने मृतक के शव को जिला चिकित्सालय अनूपपुर भेजा, जहां ड्यूटी डॉक्टर प्रवीण शर्मा द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। पीएम के बाद पुलिस ने शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया।

जिले में अब तक 323.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में 1 जून से 26 जुलाई तक कुल 323.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोच्यल अवधि के दौरान जिले में 657.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान रीठी तहसील में रिकार्ड 887.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है।

हौसलों के सहारे जिंदगी, कमर में ट्यूब बांध 3 किमी घिसटकर मां नर्मदा के दरबार पहुंचता दिव्यांग

हाथ से चलने वाली ट्राई साइकिल चढ़ाई में बेकार, अब शासन से ईवी ट्राई साइकिल की गुहार

अमरकंटक। आस्था की नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा के दर्शन के लिए प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसी भीड़ के बीच एक ऐसा चेहरा भी रोज दिखाई देता है, जो मजबूरी, संघर्ष और हौसले की ऐसी कहानी बयां करता है, जिसे देखकर हर किसी का मन द्रवित हो उठता है। नगर परिषद अमरकंटक के वार्ड क्रमांक-2 बराती निवासी करीब 40 वर्षीय दिव्यांग जोहन सिंह मरावी दोनों पैरों से चलने में असमर्थ हैं। इसके बावजूद जिंदगी से हार मानने के बजाय वे रोज अपने घर से करीब तीन किलोमीटर की दूरी तय कर मां नर्मदा मंदिर पहुंचते हैं। जोहन सिंह कमर में पुराने वाहन का ट्यूब बांधते हैं और दोनों हाथों के सहारे जमीन पर घिसटते हुए मंदिर के मुख्य द्वार तक पहुंचते हैं। यहां श्रद्धालुओं से मिलने वाली सहायता से वे अपने और अपनी वृद्ध मां के लिए दो वक्त की रोटी का इंतजाम करते हैं। उनका यह संघर्ष वर्षों से जारी है। शरीर ने साथ छोड़ दिया, लेकिन हौसले ने अब तक उनका साथ नहीं छोड़ा है।

जंगल से लकड़ी लाकर जलता है चूल्हा

जोहन बताते हैं कि आज भी उनकी मां जंगल से लकड़ियां बटोरकर घर लाती हैं और उसी से चूल्हा जलाकर बेटे के लिए भोजन तैयार करती हैं। घर की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर है कि रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना भी मुश्किल है। जोहन को शासन की ओर से मात्र 600 प्रतिमाह दिव्यांग पेंशन मिलती है। उनका कहना है कि उन्हें अब तक उज्ज्वला योजना का गैस कनेक्शन नहीं मिला है। वहीं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत नियमित राशन मिलने में भी परेशानी होती है। ऐसे में महंगाई के दौर में दो वक्त की रोटी जुटाना भी उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं है।

चढ़ाई के कारण हाथ वाली ट्राई साइकिल भी बेकार

जोहन की मदद के लिए श्री कल्याण सेवा आश्रम की ओर से उन्हें हाथ से चलाने वाली ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन बराती से मां नर्मदा मंदिर तक पहुंचने वाले रास्ते में कई जगह तीखी चढ़ाई और घाट होने के कारण यह ट्राई साइकिल

उनके लिए उपयोगी साबित नहीं हो पा रही है। जोहन कहते हैं कि समतल रास्ते पर वे किसी तरह ट्राई साइकिल चला लेते हैं, लेकिन चढ़ाई पर उसे आगे बढ़ाना उनके लिए संभव नहीं है। कोई व्यक्ति साथ मिल जाए तो बात अलग है, लेकिन रोज किसी के सहारे की उम्मीद करना भी उनके लिए संभव नहीं। यही कारण है कि उन्हें ट्राई साइकिल छोड़कर फिर कमर में ट्यूब बांधना पड़ता है और हाथों के सहारे जमीन पर घिसटते हुए मंदिर तक पहुंचना पड़ता है।

पिता 30 साल पहले छोड़ गए, बहनों की भी हो चुकी मौत

जोहन सिंह का जीवन बचपन से ही संघर्षों से भरा रहा है। करीब 30 वर्ष पहले उनके पिता बारेलाल सिंह मरावी परिवार को छोड़कर चले गए थे। इसके बाद उनका आज तक कोई पता नहीं चल सका। पिता के चले जाने के बाद परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनकी मां के कंधों पर आ गई। परिवार में जोहन की दो बहनें भी थीं, लेकिन दोनों मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं और बीमारी के चलते एक-एक कर उनकी मौत हो गई। आज परिवार में जोहन सिंह और उनकी वृद्ध, मानसिक रूप से अस्वस्थ मां ही रह गई हैं। मूल रूप से डिंडोरी जिले के ग्राम बरनई निवासी जोहन बताते हैं कि पिता के जाने के बाद उनकी मां ने मजदूरी कर किसी तरह परिवार का पालन-पोषण किया। गरीबी और अशिक्षा के बीच उन्होंने बच्चों को पालने की हर संभव कोशिश की, लेकिन बढ़ती उम्र और बीमारी ने अब उन्हें भी कमजोर कर दिया है।

ईवी ट्राई साइकिल मिले तो बदल सकती है जिंदगी

जोहन सिंह मरावी ने मध्य प्रदेश शासन और प्रशासन से बैटरी चलित ईवी ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि उन्हें ऐसी ट्राई साइकिल मिल जाए, जो चढ़ाई वाले रास्ते पर भी आसानी से चल सके, तो वे बिना किसी पर निर्भर हुए मंदिर तक पहुंच सकेंगे और अपनी जरूरत के अनुसार रोजी-रोटी का इंतजाम कर सकेंगे। उनके लिए यह केवल एक वाहन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ जीवन जीने का साधन होगा।

पढ़ाई नहीं हुई, दस्तखत तक नहीं कर पाते

जोहन कहते हैं, मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं। दस्तखत भी नहीं कर पाता। मां ही मेरा सहारा हैं। मां नर्मदा की कृपा से किसी तरह जीवन चल रहा है। उनकी बातों में गरीबी और बेबसी के साथ मां नर्मदा के प्रति गहरी आस्था भी दिखाई देती है। मंदिर के सामने बैठकर श्रद्धालुओं से मिलने वाली सहायता को वे भीख नहीं बल्कि मां नर्मदा का प्रसाद मानते हैं। वे बताते हैं कि मंदिर के आसपास कुछ ऐसे लोग भी भिक्षा मांगते हैं, जो पूरी तरह सक्षम हैं। कई बार भिक्षा में मिले सामान को भी बेच दिया जाता है। ऐसे माहौल में वास्तविक जरूरतमंद और मजबूरी में सहायता मांगने वालों की पहचान मुश्किल हो जाती है।

नशे से दूर, सहायता को मानते हैं मां नर्मदा का प्रसाद

जोहन स्वयं किसी भी प्रकार का नशा नहीं करते। श्रद्धालु उन्हें जो भी सहायता देते हैं, उसे वे मां नर्मदा का प्रसाद मानकर स्वीकार करते हैं। अपनी जिंदगी के संघर्ष के बावजूद उनके भीतर जीने और आगे बढ़ने की इच्छा स्पष्ट दिखाई देती है। भावुक होकर वे कहते हैं, मां नर्मदा भूखे उठाती हैं, लेकिन भूखे सोने नहीं देतीं। किसी न किसी रूप में सहायता मिल ही जाती है।

घर लौटने के लिए ऑटो का किराया भी भारी

मंदिर से घर लौटते समय कई बार मजबूरी में उन्हें ऑटो करना पड़ता है। इसके लिए करीब 100 तक किराया देना पड़ता है। यह राशि उनके जैसे आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए काफी मायने रखती है। श्रद्धालु समय-समय पर उन्हें अनाज, कपड़े, जूते-चप्पल, छाता और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध करा देते हैं, लेकिन रोजमर्रा की कई जरूरतें बाजार से ही पूरी करनी पड़ती हैं।

सिस्टम से सवाल क्या वास्तविक जरूरतमंद तक पहुंच रहा लाभ?

जोहन सिंह मरावी की कहानी केवल एक दिव्यांग व्यक्ति की व्यक्तिगत पीड़ा नहीं है, बल्कि यह शासन-प्रशासन और समाज के सामने खड़ा एक संवेदनशील सवाल भी है। जब एक दिव्यांग व्यक्ति रोज करीब तीन किलोमीटर तक घिसटकर अपनी जरूरतों के लिए मंदिर पहुंचने को मजबूर हो, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि दिव्यांगों और गरीबों के लिए संचालित सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक किस हद तक पहुंच रहा है। जोहन की जरूरत बहुत बड़ी नहीं है। उन्हें ऐसी ईवी ट्राई साइकिल चाहिए, जिससे वे चढ़ाई वाले रास्ते पर भी आसानी से आ-जा सकें। इसके साथ नियमित राशन, गैस कनेक्शन और पात्रतानुसार अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिल जाए तो उनके जीवन का संघर्ष काफी हद तक कम हो सकता है।

उम्मीद अभी बाकी है

जिंदगी की कठिन परिस्थितियों के बावजूद जोहन सिंह की आंखों में उम्मीद आज भी जिंदा है। उन्हें विश्वास है कि उनकी पुकार शासन और प्रशासन तक पहुंचेगी और कोई उनकी मदद के लिए आगे आएगा। उनकी कहानी समाज को यह संदेश भी देती है कि शरीर कमजोर हो सकता है, परिस्थितियां विपरीत हो सकती हैं, लेकिन यदि हौसला जिंदा हो तो इंसान कठिन से कठिन रास्ते पर भी आगे बढ़ सकता है। अब जरूरत इस बात की है कि जोहन के इस हौसले को केवल श्रद्धालुओं की छोटी-बड़ी मदद नहीं, बल्कि शासन की संवेदनशील पहल भी मिले।

स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग पर जय अंबे कंपनी का घेराव

किसानों और ग्रामीणों ने बाहरी कर्मचारियों की भर्ती पर जताया विरोध आंदोलन तेज करने की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

क्षेत्र में संचालित जय अंबे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के खिलाफ सोमवार को स्थानीय किसानों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीण कंपनी कार्यालय पहुंचे और घेराव कर स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि क्षेत्र के संसाधनों का उपयोग करने के बावजूद स्थानीय युवाओं की लगातार उपेक्षा की जा रही है। ग्रामीणों का कहना था कि कंपनी में अधिकांश नौकरियां बाहरी लोगों को दी जा रही हैं, जबकि क्षेत्र के योग्य और बेरोजगार युवाओं को अवसर नहीं मिल रहा। इस मुद्दे को लेकर कई बार कंपनी प्रबंधन से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिला तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और व्यापक बनाया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कंपनी के एचआर रजनीश मिश्रा ने ग्रामीणों से चर्चा की और कर्मचारियों की सूची प्रस्तुत करते हुए बताया कि कंपनी नियमानुसार भर्ती प्रक्रिया अपनाती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि ग्रामीणों की मांगों और सुझावों को कंपनी के उच्च प्रबंधन तक पहुंचाया जाएगा तथा नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। हालांकि ग्रामीणों ने इस आश्वासन पर असंतोष जताते हुए कहा कि कर्मचारियों की सूची में बाहरी लोगों की संख्या अधिक है और स्थानीय युवाओं की भागीदारी बेहद कम दिखाई देती है। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और स्थानीय पात्र युवाओं को प्राथमिकता देने की मांग दोहराई। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उद्योगों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दिलाने की मांग की है। किसानों का कहना है कि यदि शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। फिलहाल कंपनी प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच बातचीत की संभावना बनी हुई है, जिस पर पूरे क्षेत्र की निगाहें टिकी हैं।

रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध बैग की तलाशी, 2.75 लाख के 14 मोबाइल बरामद

रेसुब टास्क टीम और जीआरपी अनूपपुर की संयुक्त कार्रवाई, जैतपुर का 24 वर्षीय युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) की टास्क टीम और जीआरपी अनूपपुर द्वारा की जा रही कार्रवाई के दौरान बड़ी सफलता हाथ लगी है। संयुक्त टीम ने अनूपपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक को काले रंग के पिट्ठू बैग के साथ पकड़ा। बैग की तलाशी लेने पर उसमें अलग-अलग कंपनियों के 14 मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनकी कुल कीमत करीब 2 लाख 75 हजार रुपए बताई गई है। जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई जीआरपी चौकी अनूपपुर में पूर्व में दर्ज अपराध क्रमांक 110/26 की पतासाजी के दौरान की गई। 26 जुलाई को रेसुब टास्क टीम अनूपपुर और जीआरपी अनूपपुर की संयुक्त टीम रेलवे स्टेशन पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर

प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में बैग के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम मोहम्मद सिद्दीक खान, पिता मोहम्मद ताहिर खान, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम मडसा, तहसील जैतपुर, थाना जैतपुर, जिला शहडोल बताया। संदेह के आधार पर उसके काले रंग के पिट्ठू बैग की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान टीम को 14 नग मोबाइल फोन मिले। रेसुब की जांच में आरोपी के पास से बरामद सभी 14 मोबाइल अलग-अलग कंपनियों के बताए गए हैं। इनकी अनुमानित कुल कीमत 2 लाख 75 हजार रुपए आंकी गई है। बड़ी संख्या में मोबाइल मिलने के बाद टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच में आरोपी के पूर्व में भी दो मामलों में संलिप्त होने की जानकारी सामने आने की बात रिपोर्ट में कही गई है। कार्रवाई के बाद आरोपी को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए जीआरपी अनूपपुर के सुपुर्द कर दिया गया है। अब पुलिस बरामद मोबाइलों के संबंध में जानकारी जुटाने के साथ ही यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ये मोबाइल किन घटनाओं से संबंधित हैं और इन्हें कहां से चोरी किया गया था। रेलवे स्टेशन पर हुई इस कार्रवाई से मोबाइल चोरी की घटनाओं में शामिल लोगों के बीच हड़कंप की स्थिति है। वहीं, यात्रियों की सुरक्षा और चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए रेसुब तथा जीआरपी की संयुक्त निगरानी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अमरकंटक में गुरु पूर्णिमा का भव्य आयोजन आज, आश्रमों में उमड़ेगा श्रद्धा का सैलाब

गुरु चरण वंदना, सत्संग-भजन और प्रवचन से गूंजेगी नर्मदा उद्गम नगरी, देशभर से पहुंचेंगे श्रद्धालु

अमरकंटक। मां नर्मदा की पावन उद्गम स्थली अमरकंटक में बुधवार, 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। गुरु पूर्णिमा को लेकर अमरकंटक के विभिन्न आश्रमों, मठों, देवस्थलों एवं साधना केंद्रों में तैयारियां तेज हो गई हैं। पर्व की पूर्व संध्या से ही देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। गुरु पूर्णिमा के दिन श्रद्धालु अपने गुरुजनों का पूजन, गुरु चरण वंदना एवं दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। वहीं विभिन्न आश्रमों में सत्संग, भजन, प्रवचन, गुरु पूजन और प्रसाद वितरण सहित अनेक धार्मिक आयोजन होंगे। गुरु पूर्णिमा भारतीय सनातन परंपरा में गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का विशेष पर्व माना जाता है। शास्त्रों में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान पूजनीय बताया गया है। मान्यता है कि गुरु मनुष्य के अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश प्रदान करते हैं। गुरु के मार्गदर्शन से व्यक्ति को जीवन में विवेक, सदाचार, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग मिलता है। यही कारण है कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अमरकंटक जैसे आध्यात्मिक क्षेत्र में इस पर्व का महत्व और भी बढ़ जाता है।

गुरु की सीख को स्वीकार करना ही सच्ची प्रगति

गुरु पूर्णिमा पर गुरु के प्रति श्रद्धा और विनम्रता का संदेश देने वाली एक प्रेरक कथा भी श्रद्धालुओं के बीच प्रचलित है। कथा के अनुसार प्राचीन काल में एक गुरु और शिष्य खिलौने बनाकर जीवनयापन करते थे। गुरु के मार्गदर्शन में शिष्य ने धीरे-धीरे इतनी कुशलता हासिल कर ली कि उसके बनाए खिलौने अधिक मूल्य पर बिकने लगे। सफलता मिलने के बाद भी गुरु उसे लगातार अधिक परिश्रम और एकाग्रता से कार्य करने की सलाह देते रहे। एक समय शिष्य को भ्रम हो गया कि गुरु उसकी सफलता से ईर्ष्या करते हैं। उसने क्रोध में गुरु के सामने अपनी श्रेष्ठता का अभिमान व्यक्त कर दिया। तब गुरु ने शांत भाव से बताया कि युवावस्था में उन्होंने भी अपने गुरु के सामने इसी प्रकार का अहंकार किया था। इसके बाद उनके गुरु ने उन्हें सलाह देना बंद कर दिया और उनकी कला का विकास भी वहीं रुक गया। गुरु ने कहा

कि वह नहीं चाहते कि उनका शिष्य भी इसी भूल का शिकार हो। गुरु की बात सुनकर शिष्य को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने क्षमा मांगकर पुनः गुरु के मार्गदर्शन को स्वीकार किया। बाद में वही शिष्य अपनी कला के बल पर दूर-दूर तक प्रसिद्ध हुआ। यह कथा गुरु पूर्णिमा का मूल संदेश देती है कि सफलता के बाद भी गुरु की सीख और मार्गदर्शन को विनम्रता से स्वीकार करना ही वास्तविक प्रगति का आधार है।

श्री कल्याण सेवा आश्रम बनेगा प्रमुख आकर्षण

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अमरकंटक स्थित श्री कल्याण सेवा आश्रम में विशेष आध्यात्मिक आयोजन श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा। पूज्य सद्गुरुदेव तपस्वी बाबा की अमृतमयी वाणी का श्रवण करने के लिए देश के

विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु आश्रम पहुंचते हैं। आश्रम परिसर में साधना, सेवा, भक्ति और सत्संग का विशेष वातावरण देखने को मिलेगा। आश्रम से जुड़े साधकों के अनुसार सद्गुरुदेव की वाणी केवल शास्त्रीय उपदेश नहीं, बल्कि तप, साधना और अनुभूति से प्रस्फुटित जीवन संदेश है। उनकी शिक्षाओं में करुणा, नम्रता, सेवा, सदाचार और ईश्वर भक्ति को जीवन का आधार बताया जाता है। गुरु पूर्णिमा के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनके सानिध्य एवं आशीर्वाद की अपेक्षा से आश्रम पहुंचेंगे।

प्रत्यक्षं किम् प्रमाणं की अनुभूति कराता है अमरकंटक

अमरकंटक की आध्यात्मिकता का अनुभव यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्वयं में एक अलग अनुभूति है। संस्कृत की उक्ति 'प्रत्यक्षं किम् प्रमाणं अर्थात प्रत्यक्ष अनुभव से बढ़कर अन्य प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती, यहां आने वाले साधकों के अनुभव में सहज रूप से दिखाई देती है। मां नर्मदा का पावन उद्गम, चारों ओर फैली प्राकृतिक सुंदरता, मंदिरों की घंटियां, आश्रमों में चलने वाला सत्संग और साधना का वातावरण अमरकंटक को गुरु पूर्णिमा जैसे आध्यात्मिक पर्व के लिए विशेष बना देता है। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां गुरु चरणों में बैठकर प्राप्त होने वाली शांति और आत्मिक ऊर्जा को शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना संभव नहीं है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अमरकंटक के विभिन्न आश्रमों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें गुरु पूजन, गुरु चरण वंदना, सत्संग, भजन-कीर्तन, प्रवचन, ध्यान-साधना एवं प्रसाद वितरण प्रमुख रहेंगे। प्रमुख आश्रमों में श्री कल्याण सेवा आश्रम, श्री मार्कंडेय आश्रम, श्री शांति कुटी आश्रम, श्री मृत्युंजय आश्रम, श्री धारकुंडी आश्रम, श्री बर्फानी आश्रम, श्री गीता स्वाध्याय आश्रम अन्य छोटे-बड़े आश्रम एवं देवस्थान शामिल हैं। श्रद्धालु प्रातः स्नान-ध्यान के बाद गुरु पूजन करेंगे और गुरुजनों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

गुरु मंत्रों के जाप से गूंजेगी नर्मदा नगरी

गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु मंत्रों के जाप का भी विशेष महत्व माना जाता है। श्रद्धालुओं द्वारा गुरु मंत्रों का जाप, ध्यान एवं साधना की जाएगी। प्रमुख मंत्रों में 'गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वरः। गुरु साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ओम गुरुभ्यो नमः।' ओम गुं गुरुभ्यो नमः।' ओम परम तत्त्वाय गुरुभ्यो नमः। 'ओम वेदादि गुरुदेवाय विद्महे परम गुरुवे धीमहि तन्नो गुरु प्रचोदया का जाप श्रद्धालु करेंगे। अमरकंटक के संतों एवं आश्रम प्रतिनिधियों का कहना है कि आधुनिक जीवन की भागदौड़ और बदलती जीवनशैली के बीच गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की आत्मा है। गुरु केवल शिक्षा देने वाले व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक होते हैं। गुरु के प्रति सम्मान, उनकी सीख को आत्मसात करना और उनके बताए मार्ग पर चलना ही सच्ची गुरु भक्ति है। मां नर्मदा की पावन धरा अमरकंटक में गुरु पूर्णिमा का पर्व इस वर्ष भी श्रद्धा, साधना और आध्यात्मिक जागरण का संदेश लेकर आएगा। आश्रमों में होने वाले धार्मिक आयोजनों के बीच नर्मदा उद्गम नगरी में भक्ति और आध्यात्मिकता का वातावरण देखने को मिलेगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के प्रति कृतज्ञता, आत्मचिंतन और जीवन को सही दिशा देने का अवसर भी बनेगा।